

LOK SABHA

Saturday, April 4, 1964/Chaitra 15,  
1886 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the  
Clock.

[Mr. SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

SHORT NOTICE QUESTION

दिल्ली में अग्निकाण्ड

+

१७.

- श्री बड्डे :
- श्री कछवाय :
- श्री सु० ला० वर्मा :
- श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
- श्री राम सेवक धावब :
- श्री श्रीकार लाल बेवा :
- श्री स्वेल :
- श्री यशपाल सिंह :
- श्री बजरज सिंह :
- श्री शिकडे :
- डा० राम मनोहर लोहिया :
- श्री विश्राम प्रसाद :
- श्री विनेन भट्टाचार्य :
- श्री रा० बरुआ :
- श्री नाथ पाई :
- श्री हरि विष्णु कामत :
- श्रीमती रेणु चक्रवर्ती :
- श्री प्र० चं० बरुआ :
- श्री दी० चं० शर्मा :
- श्री वारियर :
- श्री वाजी :
- श्री किशन पटनायक :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की  
छात्रा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि २७ मार्च,  
१९६४ को सफ़दरजंग हवाई अड्डे के पास  
आग लग गई;

(ख) क्या उक्त आग में वहां का सारा  
वाजार और सब झोंपड़ियां जल गई जिसमें  
दस लाख रुपये के अधिक का नुकसान हुआ ;

(ग) क्या यह सच है कि फायर ब्रिगेड  
वहां बहुत देर से अर्थात् आग लगने के एक  
घण्टे बाद पहुंचा;

(घ) क्या यह सच है कि फायर ब्रिगेड  
वहां पहुंचने के बाद पापी की व्यवस्था नहीं  
हुई; और

(ङ) जिनका आग से नुकसान हुआ  
है क्या सरकार का उनको मदद देने का  
इरादा है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री  
(श्री हाथी) : (क) जी, हाँ ।

(ख) कुल २६७ स्टालों और झुग्गियों  
में से २६० स्टाल और आठ झुग्गियाँ नष्ट हो  
गईं । कुल हानि लगभग २.६५ लाख रुपये  
की हुई ।

(ग) तथा (घ). जी, नहीं । यह रिपोर्ट  
मिली कि आग रात के साठे आठ और पौने  
ती के बीच लगी थी । सफ़दरजंग फायर  
स्टेशन को यह सूचना २ बजे बर ५४ मिनट  
पर मिली तथा दो फायर इंजिन,  
जिनमें से प्रत्येक में ६०० गैलन पानी था,  
घटनास्थल पर ६ बजे पहुंच गए । जैट तुरन्त  
ही आग की ओर लगाये गये । पानी प्राप्त  
करने में कोई कठिनाई नहीं हुई, क्योंकि

लगभग १०० फुट के फ़ासले पर ही हाइड्रैण्ट्स थे ।

(ड) दिल्ली नगर निगम ने प्रत्येक दुकानदार की १०० रुपये तथा प्रत्येक झुग्गी वाले को २५ रुपये की सहायता देने का निर्णय किया है । जिन व्यक्तियों की १५० रुपये से अधिक का हानि हुई है, उन्हें दिल्ली प्रशासन द्वारा हानि का मात्रा के ५० प्रतिशत तक (प्रत्येक मामले में अधिकतम राशि २,००० रुपये) के ऋण दिये जायेंगे । इस सन्वन्ध में कुल दो लाख रुपये व्यय होने का अनुमान है ।

1. (a) Yes.

(b) out of a total of 297 stalls and *jhuggis*, 260 stalls and eight *jhuggis* were destroyed. The total loss is estimated at about Rs. 3.65 lakhs.

(c) and (d) No. The fire is reported to have broken out some time between 8-30 P.M. and 8-45 P.M. The Safdar-jang Fire Station got the news at 8-54 P.M. and two fire engines reached the spot at 9 P.M. with supplies of 600 gallons of water each. The jets were immediately directed at the fire. There was no difficulty about water supply as hydrants were available at a distance of about 100 feet.

(e) The Delhi Municipal Corporation has decided to give a cash relief of Rs. 100/- each to the shopkeeper and Rs. 25/- each to the *jhuggi*-dweller. Loans to the extent of 50 per cent of the loss subject to an overall ceiling of Rs. 2,000/- in each case will be given by the Delhi Administration to those who have suffered a loss of over Rs. 150/-. The total expenditure on this account is expected to be about Rs. 2 lakhs.]

**श्री बड़े :** क्या यह सच है कि जब ८ बजे कर ४० मिनट पर आग लगी और, जैसा कि मंत्री महोदय ने कहा है, ९ बजे फ़ायर-ब्रिगेड वहां पर पहुंचा, तो वहां पर पानी न होने के कारण बागीचे में से पानी लेना पड़ा था ?

**श्री हाथी :** पीने ९ बजे के पहले या बाद ?

**श्री बड़े :** पीने नौ बजे के बाद ।

**श्री हाथी :** पीने ९ बजे के बाद जब फ़ायर इंजिन वहां पहुंच गए, तो नज़दीक से पानी लेने की ज़रूरत नहीं थी ।

**श्री बड़े :** क्या यह सच है कि दिल्ली फ़ायरिंगन के पास सफ़िगेट एमाउण्ट न होने के कारण उसी केन्द्रीय सरकार को लिखा है ? क्या केन्द्रीय सरकार यह समझती है कि उन लोगों को और मदद देने की ज़रूरत है और क्या उसकी उन लोगों को मदद देने की इच्छा है ?

**श्री हाथी :** चीफ़ कमिश्नर को प्रोपो-जल्ल ३१ तारीख़ को आई थी । उन के पास पैसा नहीं था, इसलिए मेट्रोल गवर्नमेंट ने उसी दिन दो लाख रुपये मंजूर किये ।

**श्री कछवाय :** क्या यह सत्य है कि दिल्ली में यह पहला घटना नहीं है, बल्कि इस के पूर्व भी दिल्ली में एक घटना हुई है, जिसमें १५० झुग्गियां जल गई थीं ? इस प्रकार बार-बार आग लगने के पीछे, जिसमें हजारों आर्दमनों की हानि होती है, क्या कर्मी का हाथ है ? यह भी देखा गया है कि मदद देने के सन्वन्ध में लोगों से वायदे किये जाते हैं, लेकिन बाद में उनको पूछा नहीं जाता है । मैं यह जानना चाहता हूँ कि जो दो लाख रुपये बांटने का निश्चय किया गया है, वह कब तक वितरण होगा, ताकि वे लोग जल्दी अपने अपने काम धंधों में लग जायें ।

**श्री हाथी :** माननीय सदस्य ने दो तीन सवाल पूछे हैं । एक तो उन्होंने यह पूछा है कि यह जो आग लगी है, इसमें किसी का हाथ है या नहीं । इस आग का जो कारण अभी तक मालूम हुआ है, वह यह है कि एक गण में पैट्रोमेक्स के फटने से आग लग गई । जहां तक रुपये देने का प्रश्न है, जैसा कि मैंने बताया है, ३१ तारीख़ को चीफ़ कमिश्नर की प्रोपोजल्ल आई और उसी दिन हमने वह

रकम मंजूर कर ली। मैं आशा करता हूँ और चाहता हूँ कि जिन लोगों को पैसा देना है, मदद देना है, उनको जल्दी से जल्दी मिल जाये।

**श्री बड़े :** मंत्री महोदय ने बताया है कि तीन लाख में कुछ ऊपर का नुकसान हुआ है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि वहाँ के पेट्रोमैक्स, साइकल और क्राकरी के दुकानदारों को दुकानों का इन्शोरेंस हुआ था या नहीं और हानि का जो अनुमान लगाया गया है, वह किस दृष्टि में किया गया है।

**श्री हाथी :** उनका इन्शोरेंस हुआ है या नहीं, इसका मूले पता नहीं है। लेकिन पहले दिन उनको बता दिया गया था कि उनका जितना नुकसान हो, वे उसकी लिस्ट बना कर और एस्टीमेट्स बना कर दें और फिर चीफ कमिश्नर उसकी जांच करेंगे।

**Shri Joachim Alva:** May I know whether the hon. Minister is aware that after the state of emergency, caused by Chinese aggression, was declared, our fire fighting equipment in Delhi and in other important cities was to be up-to-date and better than before? If so, is the state of fire protection and preparedness in Safdarjung better than what it was before the state of emergency or is it in the same state prior to the declaration of emergency?

**Shri Hathi:** The very fact that they received this news at about 8-54 P.M. they reached the place at 9.00 P.M. and the fire was extinguished at 10.25 P.M. shows that it is quite efficient.

**Shri Shinkre:** Are Government considering any steps so that these petty small shops are located and spread out in such a way that in future fire does not easily spread out like this?

**Shri Hathi:** In this case these shops and huggies had thatched roofing with grass. The Ministry of Works, Housing and Rehabilitation had already constructed cement concrete platforms

and these people were to be shifted within a week or so when the fire took place. Arrangement for roofing is also being made. They are alive to the problem.

**श्री अचल सिंह :** क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जिन दुकानों में आग लगी थी, क्या वे इन्शोर्ड थीं ?

**श्री हाथी :** मैंने इसका जवाब दे दिया है।

**श्री यशपाल सिंह :** क्या यह सच है कि जब वहाँ पर सब जल कर राख हो गया, तब फायर ब्रिगेड वहाँ पर पहुँचा ? क्या सरकार इस बात पर भी गौर कर रही है कि पेट्रोमैक्स वहीं फटने हैं, जहाँ इलेक्ट्रिकेशन नहीं है और इसलिए यह जो इतनी इम्पोर्टेंट जगह है—हवाई अड्डे के पास है—बहुत कम तक इलेक्ट्रिकिटी हो जायगी ?

**श्री हाथी :** वह तो एक अलग क्वेश्चियन है कि वहाँ पर इलेक्ट्रिकेशन कम होगा। फायर-ब्रिगेड के पहुँचने के बारे में मैंने बता दिया है।

**श्री सू० ला० वर्मा :** आग लगने के कितने दिन के बाद अन्य सरकारी अधिकारी वहाँ पर पहुँचे ?

**Shri Hathi:** Within half-an-hour the police and the S.P.M. on duty reached there.

**Shri Bade:** That is wrong.

**Shri Hathi:** You may say it is wrong.

11.09 hrs.

NOTICE FROM SUPREME COURT

**Mr. Speaker:** As I told the House yesterday, I convened a meeting of the group leaders yesterday, and almost all groups were represented. Besides them I had invited a few other distinguished Members as well. We had had very useful discussions. Of course, variant and even divergent views were expressed on this subject.